भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
लोक सभा
रक्षा विभाग
अतारांकित प्रश्न संख्या 3265
08 अगस्त, 2025 को उत्तर के लिए

शैक्षणिक संस्थानों में रक्षा क्षेत्र संबंधी शिक्षा

3265. श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटील:

क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में उन शैक्षणिक संस्थानों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार और श्रेणीवार ब्यौरा क्या है जो अपने पाठ्यक्रम के एक हिस्से के तौर पर रक्षा संबंधी शिक्षा प्रदान करते हैं;

(ख) क्या सरकार ने स्कूल और विश्वविद्यालय स्तर पर अनिवार्य रक्षा संबंधी शिक्षा शुरू करने के लाभ का कोई आकलन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या शिक्षा मंत्रालय ने रक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर अनिवार्य रक्षा संबंधी शिक्षा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के ढांचे के साथ जोड़ने की व्यवहार्यता का मूल्यांकन किया है और यदि हाँ, तो उसके निष्कर्ष क्या हैं;

(घ) क्या सरकार के पास छात्रों में रक्षा संबंधी जागरूकता और तैयारी को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) जैसे कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और प्रभावशीलता पर आंकड़े हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार रक्षा संस्थानों की साझेदारी से छात्रों के लिए अनिवार्य रक्षा संबंधी शिक्षा शुरू करने हेतु नीतिगत उपाय करने या ऐसे कार्यक्रमों को लागू करने वाले स्कूलों को वित्तीय सहायता देने पर विचार कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संजय सेठ)

(क) रक्षा मंत्रालय के अधीन, सैनिक स्कूलों, राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूलों (आरएमएस) और राष्ट्रीय भारतीय मिलिट्री कॉलेज (आरआईएमसी), देहरादून का उद्देश्य राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में प्रवेश हेतु शैक्षणिक, शारीरिक एवं मानसिक रूप से कैडेटों को तैयार करना है जो शिक्षा के सीबीएसई पैटर्न का अनुसरण करते हैं। सैनिक स्कूलों, आरएमएस तथा आरआईएमसी के राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार ब्यौरे अनुबंध-I तथा अनुबंध-II पर दिए गए हैं।

(ख) एवं (ग) लागू की जा रही राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के महत्व तथा माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में इसको शामिल करने पर बल दिया गया है। एनसीईआरटी की पुस्तकों में राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में सशस्त्र बलों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए समुचित सामग्री जोड़ी गई है।

(घ) एनसीसी कार्यक्रम युवाओं के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने और चरित्र निर्माण, अनुशासन और नेतृत्व कौशल को प्रोत्साहित करने में भी अत्यंत प्रभावशील है। वर्तमान में, 21819 शैक्षणिक संस्थानों में 20 लाख एनसीसी कैडेटों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में बुनियादी सैन्य और नागरिक सुरक्षा संबंधित विशेष विषय शामिल हैं।

(ङ) ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, रक्षा मंत्रालय के अधीन विद्यालयों में एनसीसी अनिवार्य है। साथ ही, एनईपी के विज़न (लक्ष्य) के अनुरूप, एनसीईआरटी के क्षेत्रीय शिक्षण संस्थानों (आरआईई) ने एनसीसी को अपने कॉलेजों और डेमोंसट्रेशन मल्टीपर्पज़ स्कूलों में भी शामिल किया है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने भी सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में (एचईआई) एनसीसी को एक वैकल्पिक विषय के रूप में लागू करने संबंधी परामर्शिकाएँ जारी की हैं।

*****

अनुबंध-I

'शैक्षणिक संस्थानों में रक्षा क्षेत्र संबंधी शिक्षा' के बारे में दिनांक 08.08.2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 3265 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध-I

देश भर में कार्यशील सैनिक स्कूलों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार सूची

क्रम सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	कार्यशील सैनिक स्कूलों की संख्या (पूर्व पद्धति के तहत)
1.	आंध्र प्रदेश	2
2.	अरूणाचल प्रदेश	1
3.	असम	1
4.	बिहार	2
5.	छत्तीसगढ़	1
6.	गुजरात	1
7.	हरियाणा	2
8.	हिमाचल प्रदेश	1
9.	जम्मू (संघ राज्य क्षेत्र)	1
10.	झारखंड	1
11.	कर्नाटक	2
12.	केरल	1
13.	मध्य प्रदेश	1
14.	महाराष्ट्र	2
15.	मणिपुर	1
16.	मिजोरम	1
17.	नागालैंड	1
18.	ओडिशा	2
19.	पंजाब	1
20.	राजस्थान	2
21.	तमिलनाडु	1
22.	उत्तराखंड	1
23.	उत्तर प्रदेश	3
24.	पश्चिम बंगाल	1
कुल		33

*****

अनुबंध-II

'शैक्षणिक संस्थानों में रक्षा क्षेत्र संबंधी शिक्षा' के संबंध में दिनांक 08.08.2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 3265 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध-II

(i) देश भर में कार्यशील राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूलों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार सूची

क्रम सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूलों की संख्या
1.	हिमाचल प्रदेश	01
2.	कर्नाटक	02
3.	राजस्थान	02
कुल		**05**

(ii) देश भर में कार्यशील भारतीय मिलिट्री कॉलेज (आरआईएमसी) के ब्यौरे

क्रम सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	आरआईएमसी
1.	उत्तराखंड	01
कुल		**01**

*****